

SMT. ARUNA MOHANTY

Smt. Aruna Mohanty is one of the leading Odissi dancers in the country. She is the Member Secretary of Orissa Dance Academy. Under her leadership and tutelage, the academy has received rave reviews in India as well as abroad. She has travelled all over the globe to present solo and group presentations in addition to workshops and lecture demonstrations.

2. Born on April 04, 1960, she was initiated into dance at an early age by Guru Srinath Rout & Guru Govind Charan Pal. Smt. Aruna was further tendered carefully and nurtured in her dance by eminent Guru Shri Gangadhar Pradhan. Aruna has also had the privilege of working with Guru Pankaj Charan Das, Guru Kelu Charan Mohapatra, Smt. Sanjukta Panigrahi and Smt. Sonal Mansingh.

3. Smt. Aruna combines extensive research, lessons from her Guru, and innovative thinking to produce scintillating choreography. Some of the compositions in her repertoire include the dance ballet Shrusti O Pralay, Sravana Kumar, Kharavela, Jatra Baramasr, Gatha Odishr, Pratinayak, Krishna Shranam, Astapadis from Geeta Govinda and Siddhartha, based on the novel by Hermann Hesse. Her production, Shrusti O Pralay, depicting the super cyclone that hit Odisha coast in 1999, has been widely acclaimed. Sapta Varna, her choreography involving seven Indian classical dance forms and presented on the back drop of Khandagiri caves near Bhubaneswar, was highly appreciated. Her composition, Amazing Odisha, presenting the intricacies of the cultural fabric of the state, was staged at Kennedy Centre, Washington DC, USA in July 2015.

4. Smt. Aruna worked as a visiting faculty in the University of California, San Diego USA. During her tenure as the Vice-President of Odisha Sangeet Natak Akademi, she made valuable contributions in the development and execution of the cultural policies of Govt. of Odisha. She has been organizing the Dhauli—Kalinga Mahotsav for the last 13 years at the heritage site of Dhauli Shanti Stupa; Udayaraga Festival, designed to encourage young talents in different classical dance forms as well as Nrutyambada - an annual event showcasing the wide range of experience and quality of training received by the many students of her institution. Smt. Aruna also runs a Gotipua Gurukul where young talented boys are scouted to be groomed as Gotipua dancers.

5. Recipient of the Central Sangeet Natak Akademi Award for the year -2010 and State Sangeet Natak Akademi Award for the year 2014, Smt. Aruna was also awarded fellowship by the Ministry of Human Resources Development, Govt. of India & received award for contribution in the field of Odissi Dance from Utkal University, Odisha. She has also been conferred with the prestigious 'Mahari Award' 1997 by Guru Pankaj Charan Research Foundation, Bhubaneswar and Sanjukta Panigrahi Memorial National Award' in 2001.



श्रीमती अरूणा महांती

श्रीमती अरूणा महांती देश की अग्रणी, ओडिशी नृत्यांग्नाओं में से एक हैं। आप उड़ीसा नृत्य अकादमी की सदस्य सचिव हैं। आपके नेतृत्व एवं प्रशिक्षण में इस अकादमी को देश एवं विदेश से अपूर्व समालोचनाएं प्राप्त हुईं। आपने कार्यशालाओं और व्याख्यान प्रदर्शनियों के अतिरिक्त एकल एवं समूह में प्रस्तुतियां देने के लिए पूरे विश्व का भ्रमण किया है।

2. आपका जन्म 04 अप्रैल, 1960 को हुआ था। आपको गुरू श्री नाथ राउत एवं गुरू गोविन्द चरण पाल ने बहुत ही कम उम्र में नृत्य का प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया गया था। आगे आपको सुप्रसिद्ध गुरू श्री गंगाधर प्रधान द्वारा सावधानीपूर्वक नृत्य में परिपोषित एवं प्रस्तुत किया गया। आपको गुरू पंकज चरण दास, गुरू केलू चरण मोहापात्रा, श्रीमती संजुक्ता पाणिग्रही एवं श्रीमती सोनल मान सिंह के साथ भी काम करने का विशिष्ट सम्मान प्राप्त है।

3. आपके अंदर संयुक्त रूप से गहन शोध, अपने गुरू की शिक्षाएं तथा चमक बिखेरने वाली नृत्यकला प्रस्तुत करने संबंधी अभिनव सोच के गुण विद्यमान हैं। आपकी प्रदर्शनी की सूची में कुछ एक संयोजनों में नृत्यनाटिका सृष्टि ओ प्रलय, श्रवण कुमार, खाराबेला, जात्रा, बारहमासी, गाथा ओडिशी, प्रतिनायक, कृष्णा-शरणम तथा हरमान हेसे द्वारा लिखित उपन्यास पर आधारित गीत गोविन्द से अष्टपदी एवं सिद्धार्थ शामिल हैं। भीषण चक्रवात, जिसने वर्ष 1999 में उड़ीसा के समुद्र तटवर्ती क्षेत्रों को तहस-नहस कर दिया, को दर्शाते हुए आपकी प्रस्तुति 'सृष्टि ओ प्रलय' को व्यापक रूप से सराहा गया। आपकी नृत्यकला 'सप्तवर्ण' जिसमें सात भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रारूप शामिल हैं और जिसे भुवनेश्वर के पास खण्डागिरी गुफाओं के पृष्ठ पट पर उकेरा गया, को अत्यधिक सराहा गया। राज्य के सांस्कृतिक ताने-बाने की उलझनों को प्रस्तुत करते हुए आपके संयोजन अमेजिंग ओडिशा का जुलाई, 2015 में यू एस ए स्थित वाशिंगटन डी सी के केनेडी सेंटर में मंचन किया गया था।

4. आपने केलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सेन डियागो यू एस ए में एक आमंत्रित फैकल्टी के रूप में कार्य किया। ओडिशा संगीत नाटक अकादमी के उपाध्यक्ष के अपने कार्यकाल के दौरान आपने ओडिशा सरकार की सांस्कृतिक नीतियों के विकास तथा इनके निष्पादन में अमूल्य योगदान किया है। आप पिछले 13 वर्षों से धौली शांति स्तूप के विरासत स्थल पर धौली-कलिंगा महोत्सव; उदयराग महोत्सव, जिसे युवा प्रतिभाओं को विभिन्न शास्त्रीय नृत्य के प्रारूपों के प्रति आकर्षित करने हेतु डिजाइन किया गया है और इसके साथ-साथ नृत्यामबदा – जो एक वार्षिक आयोजन है और जिसमें आपके संस्थान के कई एक शिष्यों द्वारा प्राप्त अनुभव एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता की व्यापक रेंज दर्शायी जाती है, का आयोजन करती आ रही हैं। आप एक गोटीपुआ गुरूकुल का भी संचालन करती हैं जहां युवा प्रतिभा सम्पन्न लड़कों को गोटीपुआ नर्तक के रूप में प्रशिक्षित करने के लिये ढूंढा जाता है।

5. आपको वर्ष 2010 का केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार तथा वर्ष 2014 का राज्य संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार के साथ-साथ भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा फैलोशिप भी प्रदान की गई और ओडिशी नृत्य के क्षेत्र में योगदान के लिए उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा से पुरस्कार प्राप्त हुआ। आपको गुरू पंकज चरण अनुसंधान फाउडेंशन, भुवनेश्वर द्वारा प्रतिष्ठित 'महरी अवार्ड' 1997 तथा वर्ष 2001 में संजुक्ता पाणिग्रही स्मारक राष्ट्रीय पुरस्कार से भी नवाजा गया है।